ये माँ अंजनी का लाला | By Mukesh Bagda

हे माँ अंजनी का लाला, है देव बड़ा बलवाला
और ना कोई कर पाया जो, वो इसने कर डाला रे
ये माँ अंजनी का लाला.....

बालपन में सूरज को जब समझ के फल था मुख में लिया
बदल दिया था नियम सृष्टि का, दिन में भी था अँधेरा किया
बिनती करी मिल देवो ने तब था उसे मुंह से निकला रे
ये माँ अंजनी का लाला.....

माँ सीता की खोज में इसने उड़ के समंदर पार किया
सारी उजाड़ी अशोक वाटिका अक्षय कुमार को मार दिया
जला दिया लंका नगरी को, तहस नहस कर डाला रे
ये माँ अंजनी का लाला.....

मूर्छित हो गए लखन लाल तब अपना फ़र्ज़ निभाया था
रात्रि में ही वैद्य सुषेण को लंका से ले आया था
औषधि जो थी समझ ना आई तो पर्वत ही ले आया रे
ये माँ अंजनी का लाला.....

बड़े बड़े बलशाली बजरंग द्वार पे शीश झुकाते हैं
सारे पापी और अधर्मी तुझसे ही घबराते हैं
ऋषि मुनि और ग्यानी पन्ना जपे है इनकी माला रे
ये माँ अंजनी का लाला.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%af%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%81-%e0%a4%85%e0%a4%82%e0%a4%9c%e0%a4%a8%e0%a5%80-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%b2%e0%a4%be-by-mukesh-bagda/